सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय जैविक संस्थान
समाचार-पत्रक

हीमोविजिलेंस पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन

अंक 4 : अक्टूबर–दिसंबर, 2021

निदेशक के पटल से

एनआईबी गुणवत्ता नियंत्रण क्षेत्र में विशिष्टता बनाए रखते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को पोषित करने और बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य में लगातार प्रगति कर रहा है। संस्थान सफलतापूर्वक जैविक परीक्षण करके तथा ज्ञान की वृद्धि एवं व्यावसायिक कौशल के विकास हेतु नए अवसर पैदा करके एक उपयोगी वैज्ञानिक क्षेत्र को आगे बढ़ा रहा है।

संस्थान ने दिसंबर 2021 में, हमने आभासी रूप में हीमोविजिलेंस पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। माननीय डॉ मनसुख मांडविया, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, सम्मेलन में मुख्य अतिथि एवं केंद्रीय सचिव स्वास्थ्य राजेश भूषण विशिष्ट अतिथि थे। डॉ मंदीप कुमार भंडारी, संयुक्त सचिव (आर), डॉ वी जी सोमानी, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (आई) और डॉ राजीव सिंह रघुवंशी, निदेशक, आईपीसी, ने सम्मेलन में भाग लेकर उसकी गरिमा को बढ़ाया । सम्मेलन में क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों और 2763 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एनआईबी ने ब्लड बैंकों के प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने की परंपरा को जारी रखते हुए इस अवधि के दौरान ब्लड सेल, एनएचएम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ राज्य के 36 ब्लड बैंक अधिकारियों और तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया । राष्ट्रीय कौशल विकास पर प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना कार्यक्रम के तहत, एनआईबी ने, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग (झारखंड) के जैव प्रौद्योगिकी के 14 एमएससी छात्रों के लिए जैविक के गुणवत्ता नियंत्रण में एक आवासीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया ।

मुझे अपने कर्मठ एवं प्रतिबद्ध कर्मचारियों पर गर्व है, जो काम करने के नए तरीकों की ओर बढ़ते हुए कर्मठता और स्फूर्ति के साथ अपने कार्य को करते हैं ।

आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं !!

अनूप अन्वीकर
निदेशक

इस अंक की विषय सूची:

03	रक्त उत्पादों की सुरक्षा एवं गुणवत्ता
05	हीमोविजिलेंस पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन
	सहयोग (एस) / प्रवीणता परीक्षण (पीटी) / बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस)
06	तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठक
07	प्रशिक्षण
	सैंतीसवाँ त्रिदिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण शिविर एवं सम्मेलन
08	स्वच्छ भारत अभियान 2021

संपादकीय टीम

श्रीमती वाई मधु	श्री जयपाल मीणा	डॉ मंजुला किरण	श्रीमती अपूर्वा आनंद
संपादक	सह–संपादक	सह–संपादक	सह–संपादक

रक्त उत्पादों की सुरक्षा एवं गुणवत्ता

डॉ मीना कुमारी, वैज्ञानिक–II

रक्त को, जीवन की धारा, जीवन का पानी , विकास और स्वास्थ्य के रूप में माना जाता है। औसतन मानव के शरीर में 5 लीटर रक्त होता है जो कि शरीर के कुल वजन का 8% है । रक्त एक विशेष प्रकार का संयोजी ऊतक है जिसमें जीवित रक्त कोशिकाएं द्रव मैट्रिक्स में निलंबित रहती हैं जो प्लाज्मा कहलाता है । यह शरीर के सभी हिस्सों में महत्वपूर्ण पदार्थ पहुंचाता है। सम्पूर्ण रक्त से रक्त उत्पादों को एक इकाई के रूप में रेफ्रिजरेटिड सेंट्रीफ्यूज नामक एक विशेष उपकरण द्वारा अलग करने के लिए रक्त घटक संरचना को वर्ष 1960 में विकसित किया गया था, जिसे रक्त ट्रांसफ्यूजन में उपयोग में लाने हेतु रक्त दाता से प्राप्त किया जाता है। द्वितीय विश्व युद्ध में युद्ध के मैदान में घायल हुए सैनिकों के इलाज के लिए कोहन ने स्थिर प्लाज्मा प्रोटीन सॉल्युशन विकसित किया था। तत्पश्चात, प्लाज्मा फ्रैक्शनेशन धीरे–धीरे एक उन्नत प्रौद्योगिकी के रूप में विकसित हो गया ।

प्लाज्मा फ्रैक्शनेशन का विकास

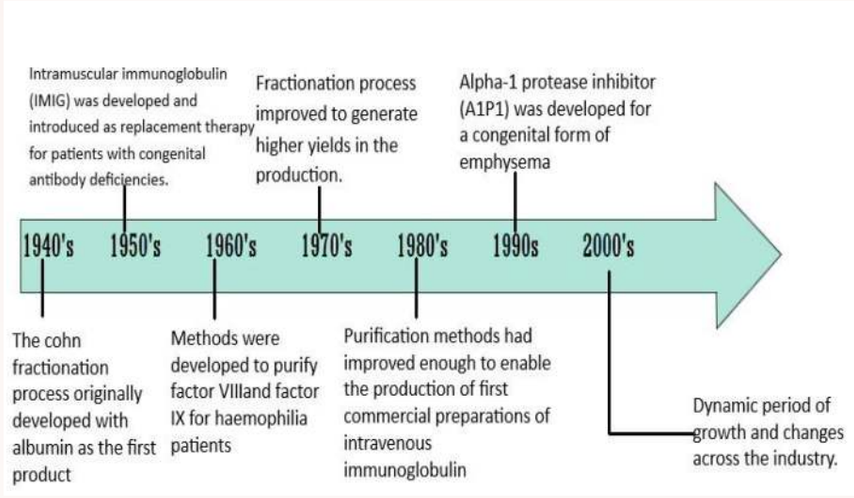

सम्पूर्ण रक्त का उपयोग आधान (ट्रांसफ्यूजन) के लिए वर्तमान में बहुत कम किया जाता है। रक्त घटक थेरेपी चिकित्सकीय अर्थों में उपयोगी है क्योंकि अधिकांश रोगियों को लाल कोशिकाएं या प्लेटलेट्स जैसी रक्त के एक विशिष्ट तत्व की आवश्यकता होती है,जिससे खुराक को भी अनुकूलित किया जा सकता है। प्रत्येक घटक को आदर्श परिस्थितियों में संग्रहित किया जाता है और अहम रक्तदान का उपयोग अधिक कुशल हो जाता है। ट्रांसफ्यूजन मेडीसिन का वर्तमान उद्देश्य नैदानिक आवश्यकताओं के संदर्भ में रक्त घटकों की गुणवत्ता में सुधार करना है।

रक्त का घटक (एरिथ्रोसाइट्स, ल्यूकोसाइट्स, प्लेटलेट्स, क्रायोप्रिसिपिटेट और प्लाज्मा) विभिन्न पृथक्करण विधियों द्वारा और ऐसी परिस्थितियों में तैयार किया जा सकता है जिसका उपयोग सीधे चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए अथवा आगे की प्रक्रिया / निर्माण के लिए किया जा सके । रक्त उत्पादों को रक्त आधान(ट्रांसफ्यूजन) केंद्र में तैयार किए गये रक्त घटकों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है अथवा प्लाज्मा फ्रैक्शनेशन केंद्रों (जैसे एल्ब्यूमिन, जमावट कारक और इम्युनोग्लोबुलिन) में दान द्वारा प्राप्त प्लाज्मा से निर्मित किया जाता है ।

गुणवत्ता नियंत्रण (गु.नि.) परीक्षण की आवश्यकता यह सुनिश्चित करने के लिए होती है कि क्या उत्पाद या प्रक्रियाएं मानकों को पूरा करते हैं। गुणवत्ता नियंत्रण गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) का वह हिस्सा है जो विनिर्देशों, नमूनाकरण और परीक्षण से संबंधित है। गुणवत्ता नियंत्रण ऐसे संगठन, प्रलेखन और जारी प्रक्रियाओं से भी संबंधित है जो आवश्यक और प्रासंगिक परीक्षण किया जाना सुनिश्चित करते हैं। रक्त उत्पादों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के लिए विनियामक दिशानिर्देश विभिन्न फार्माकोपियाओं अर्थात इंडियन फार्माकोपिया, यूरोपीय फार्माकोपिया और ब्रिटिश फार्माकोपिया में दिये गए हैं ।भारतीय फार्माकोपिया के अनुसार प्लाज्मा व्युत्पन्न उत्पादों के परीक्षण के लिए विभिन्न तरीके नीचे दिए गए दिए गए हैं:

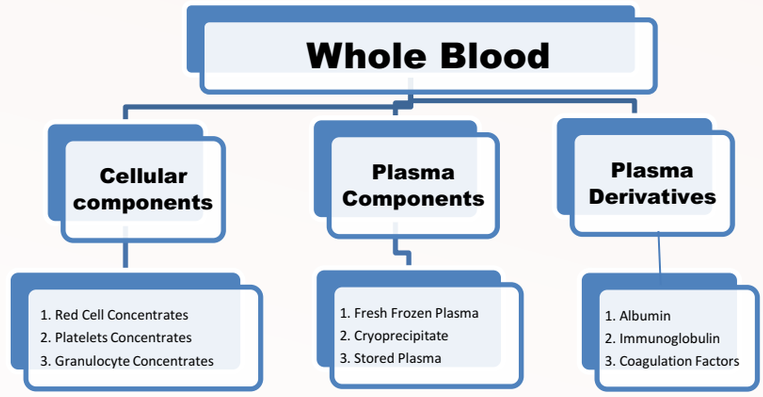

क्रमांक	परीक्षण पैरामीटर	तरीकों
1	पहचान	डबल इम्यूनो डिफ्यूजन इम्यूनो–वैद्युतकणसंचलन; जेल वैद्युतकणसंचलन; परख
2	शुद्धता	एचपीएलसी (संबंधित प्रोटीन और उच्च आणविक भार प्रोटीन; एसईसी) प्रोटीन संरचना (क्षैतिज वैद्युतकणसंचलन)
3	अशुद्धियों	एंटी–ए, एंटी–बी हेमाग्लगुटिनिन और एंटी–डी एंटीबॉडी हेम और प्री कल्लिकेरिन गतिविधि इम्युनोग्लोबुलिन ए और पूरक पूरक गतिविधि
4	पोटेन्सी	फैक्टर VIII, फैक्टर IX, फाइब्रिनोजेन, थ्रोम्बिन, आदि। विशिष्ट शक्ति परख आईजीजी और कुल प्रोटीन सामग्री
5	सामान्य सुरक्षा	बाँझपन और बैक्टीरियल एंडोटॉक्सिन टेस्ट पाइरोजेन और असामान्य विषाक्तता
6	सामान्य परीक्षण	पीएच / ऑस्मोलैलिटी / नमी सामग्री
7	टेस्ट फॉर लिमिट्स	सोडियम पोटेशियम सक्रिय जमावट कारक और हेपरिन और HBsAg टाइट्रे
8	वायरल मार्कर	एचआईवी 1 और 2 एबी / एंटी–एचसीवी एबी / एचबीएसएजी

रक्त उत्पादों का गुणवत्ता नियंत्रण अधिकतम प्रभावकारिता और संभावित प्राप्तकर्ताओं के लिए न्यूनतम जोखिम के साथ उच्च गुणवत्ता वाले रक्त घटक की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करता है। सटीकता और विश्वसनीयता के उच्चतम स्तर को प्राप्त करने के लिए, मानक क्यूसी / क्यूए परीक्षण प्रक्रियाओं और शर्तों को रोजमर्रा के आधार पर प्रयोगशालाओं में अपनाए जाने चाहिए।

जैविक उत्पादों की गुणवत्ता आश्वासन से संबंधित राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों (एनआरए) के लिए डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के अनुसार, एनआरए का यह सुनिश्चित करने का कर्तव्य है कि उपलब्ध जैविक उत्पाद, चाहे वे स्थानीय रूप से आयातित या निर्मित हों, अच्छी गुणवत्ता वाले, सुरक्षित और प्रभावी हों, और यह भी सुनिश्चित करना है कि निर्माता, गुणवत्ता आश्वासन और अच्छी विनिर्माण प्रथाओं के अनुमोदित मानकों का पालन करें। एनआरए की जिम्मेदारियों में प्रभावी राष्ट्रीय नियमों, मानक समायोजन और नियंत्रणों के प्रवर्तन और कार्यान्वयन को भी शामिल किया जाना चाहिए। रक्त उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा और उत्पादन की स्थिरता के मूल्यांकन और नियंत्रण में उत्पाद के बैचों को चिह्नित करने के लिए प्रारंभिक सामग्री, उत्पादन प्रक्रियाओं और परीक्षण विधियों का मूल्यांकन शामिल है। इसके लिए एनआरए द्वारा विशेष विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

अगस्त 2020 में, खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने कोविड –19 के साथ अस्पताल में भर्ती रोगियों के उपचार के लिए दीक्षांत प्लाज्मा के लिए एक आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (EUA) जारी किया। 4 फरवरी, 2021 को, FDA ने उच्च–टिटर कोविड –19 दीक्षांत प्लाज्मा के प्राधिकरण को सीमित करने के लिए दीक्षांत प्लाज्मा के EUA को संशोधित किया।

अंततः, यह सर्वमान्य है कि हम रक्त के बिना जीवित नहीं रह सकते। रक्त के बिना, हम गर्म या ठंडा को सहन नहीं कर सकते, हम संक्रमण से नहीं लड़ सकते, और हम अपने स्वयं के अपशिष्ट उत्पादों से छुटकारा नहीं पा सकते। इसलिए, रक्त शरीर का, एक महत्वपूर्ण तरल पदार्थ है, शरीर की जीवन रेखा है जो कई महत्वपूर्ण कार्य करती है।

कोविड 19 महामारी के दौरान राष्ट्र की सेवा में एनआईबीः

- एनआईबी उत्तर प्रदेश (बागपत, गौतमबुद्ध नगर) के विभिन्न अस्पतालों और संगरोध (क्वारंटाइन) केंद्रों से प्राप्त होने वाले कोविड–19 संदिग्ध मरीजों के नमूनों की जांच करने में लगा हुआ है। अक्टूबर से दिसंबर 2021 की अवधि के दौरान, एनआईबी ने लगभग 42527 कोविड –19 संदिग्ध नैदानिक नमूनों का परीक्षण किया है। जिनमें से केवल 24 नमूने सकारात्मक पाए गए, जो यह दर्शाता है कि संक्रमण की सकारात्मक दर काफी कम है ।

- कोविड–19 महामारी के कारण उत्पन्न हुई आपात स्थिति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सार्वजनिक हित में भारत सरकार ने आधिकारिक राजपत्र के माध्यम से राजपत्र अधिसूचना सीजी–डीएल–ई–1312021–231820 दिनांक 13 दिसंबर, 2021 के तहत एनआईबी–नोएडा को इसके मौजूदा कार्यों के अलावा कोविड–19 टीके के संबंध में एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला के कार्य को निष्पादित करने के लिए अधिसूचित किया है । अधिसूचना की अवधि 30 नवंबर, 2022 तक के लिए लागू रहेगी।

हीमोविजिलेंस पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलनः

भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के 10 दिसंबर, 2021 को 10वें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर एनआईबी द्वारा 9–11 दिसम्बर, 2021 तक 3 दिनों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से हीमोविजिलेंस पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। माननीय डॉ मनसुख मांडविया, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे और उन्होंने चिकित्सा समुदाय को संबोधित करते हुए हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला । श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; डॉ मंदीप कुमार भंडारी, संयुक्त सचिव(आर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; डॉ वी. जी. सोमानी, औषधि महानियंत्रक (आई), सीडीएससीओ, नई दिल्ली और डॉ राजीव सिंह रघुवंशी, सचिव–सह–वैज्ञानिक निदेशक, आईपीसी, गाजियाबाद, इस उद्घाटन समारोह के अन्य अतिथिगण थे जिन्होंने समारोह में उपस्थित सभा को संबोधित किया । डॉ. अनूप अन्वीकर, निदेशक, राष्ट्रीय जैविक संस्थान ने गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया । सम्मेलन के लिए लगभग 2763 संख्या में पंजीकरण किए गए और 70 सार प्रस्तुत किए गए। ऑनलाइन प्लेटफार्म के अलावा कई प्रतिभागियों ने हीमोविजिलेंस पर आयोजित प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन के यू ट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से सम्मेलन में भाग लिया ।

प्रथम दिन (09 दिसंबर, 2021)

द्वितीय दिन (10 दिसंबर 2021

तृतीय दिन (11 दिसंबर, 2021)

विभिन्न अध्यक्षों, वक्ताओं को दिखाते हुए हेमोविजिलेंस पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की एक झलक

सहयोग/प्रवीणता परीक्षण (पीटी)/बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस):

- चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला ने राष्ट्रीय जैविक मानक और नियंत्रण संस्थान (एनआईबीएससी), यूके द्वारा सेतुक्सीमैब की जैविक गतिविधियों के लिए पहले डब्ल्यूएचओ अंतर्राष्ट्रीय मानक के विकास हेतु अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अध्ययन में भाग लिया है।

- वैक्सीन और एंटीसेरा प्रयोगशाला ने एलिसा द्वारा मानव रेबीज वैक्सीन की शक्ति नियंत्रण के लिए इन विट्रो परख के मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अध्ययन (बीएसपी –148) में भाग लिया, जो जैविक मानकीकरण, ओएमसीएल नेटवर्क और हेल्थकेयर विभाग, ईडीक्यूएम, यूरोप की परिषद द्वारा आयोजित किया गया था ।

- चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला ने ईडीक्यूएम, फ्रांस द्वारा आयोजित एंटी डी इम्युनोग्लोबुलिन के बायोएसे (एफएसीएस आधारित) के लिए प्रवीणता परीक्षण में भाग लिया ।

- बायोकेमिकल किट प्रयोगशाला वर्तमान में एसीबीआई/सीएमसी बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस)–2021 में रसायन विज्ञान II (ग्लूकोज, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स) के लिए नामांकित है, जो नैदानिक जैव रसायन विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा आयोजित की जाती है। प्रयोगशाला ने अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2021 के महीने के लिए रसायन विज्ञान II के लिए परीक्षण किया और प्राप्त परिणाम सीएमसी–ईक्यूएएस वेबसाइट पर अपलोड किए गए।

तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें:

- एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने आईपी 2018 में हेपरिन सोडियम इंजेक्शन के लिए मौजूदा मोनोग्राफ की समीक्षा करने के लिए 08 अक्टूबर 2021 को भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), गाजियाबाद द्वारा आयोजित विशेषज्ञों और हितधारकों की वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

- चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), गाजियाबाद द्वारा 13 अक्टूबर 2021 को आयोजित संयुक्त कार्य समूह बायोलॉजिकल्स की पहली बैठक में भाग लिया।

- श्री सुभाष चंद, वैज्ञानिक ग्रेड – III, चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला ने 3 और 11 नवंबर 2021 को आयोजित 'मलेरिया मोनोक्लोनल एंटीबॉडी: वांछनीय उत्पाद विशेषताएं और नैदानिक विकास' पर हुई वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

- डॉ शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड–II और प्रमुख, पशु सुविधा ने 18 और 19 नवंबर 2021 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 3R के अनुसंधान और प्रगति "पशु मॉडल में अग्रिम और वैकल्पिक में अत्याधुनिक अनुसंधान" पर ऑनलाइन मोड में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

- डॉ रत्नेश, वैज्ञानिक ग्रेड –II और प्रमुख, चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला ने पुनः संयोजक प्रोटीन, एंटीबॉडी, पेप्टाइड, टीके और हार्मोन के लिए एक तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में मान्यता योजना के दायरे और मान्यता योजना के संबंध में अनुसंशा प्रस्तुत करने हेतु 24 नवंबर 2021 को आयोजित एनएबीएल की प्रत्यायन समिति की बैठक में भाग लिया।

- डॉ गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II और प्रमुख, कोविड किट परीक्षण प्रयोगशाला और आणविक नैदानिक प्रयोगशाला ने आईआरसीएस, एनएचक्यू द्वारा तैयार किए गए विनिर्देशों की जांच करने और आईआरसीएस, एनएचक्यू रक्त केंद्र के लिए एनएटी उपकरण खरीदने/किराए पर लेने के लिए आमंत्रित की जाने वाली बोलियों की प्रोसेसिंग में सहायता करने के लिए 29 नवंबर 2021 को आयोजित बैठक में एक तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में वर्चुअली मोड में भाग लिया।

- डॉ गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड –2 और प्रमुख, कोविड किट परीक्षण प्रयोगशाला ने 15.12.2021 को वर्चुअली मोड में आयोजित एसीएसआईआर की बैठक में भाग लिया।

- एनआईबी द्वारा डीपीएसआरयू, दिल्ली के साथ 29 दिसंबर, 2021 को एनआईबी, नोएडा में बायोफार्मास्युटिकल और बायोलॉजिकल्स के गुणवत्ता नियंत्रण पर डीपीएसआरयू–एनआईबी संयुक्त प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई।

आमंत्रित वार्ता / परिदत्त व्याख्यान

- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड– II और प्रमुख, कोविड किट परीक्षण प्रयोगशाला और आणविक निदान प्रयोगशाला ने वेबिनार आधारित इंटरैक्टिव प्रशिक्षण जीनोमिक्स4स्वास्थ्य– सत्र 4 "ड्रग डिस्कवरी में जीनोमिक्स" की श्रृंखला में "ड्रग–डिस्कवरी के लिए संरचना आधारित दृष्टिकोण" पर एक व्याख्यान दिया। 23 अक्टूबर 2021 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इन ट्राइबल हेल्थ (NIRTH), ICMR, जबलपुर द्वारा आयोजित वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर।

- कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा के निमंत्रण पर डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II और प्रमुख, COVID किट टेस्टिंग लेबोरेटरी और मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी ने 29 नवंबर 2021 को मेडिकल डायग्नोस्टिक किट / चिकित्सीय पर नियामक पहलुओं पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड–II और प्रमुख, पशु सुविधा ने 21–23 दिसंबर 2021 तक कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा उन्नत केंद्र (ACTREC), टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई द्वारा आयोजित "इन विवो प्रीक्लिनिकल इमेजिंग एंड ड्रग डिस्कवरी" पर 3 दिवसीय हाइब्रिड कार्यशाला में दिनांक 23.12.2021 को "भारत में मानवीय देखभाल और पशु उपयोग से संबंधित नैतिकता और विनियम" पर भाषण दिया ।

प्रशिक्षण

- एनआईबी ने रक्त कोशिका, एनएचएम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से अक्टूबर और नवंबर के महीने में छत्तीसगढ़ राज्य के 36 ब्लड बैंक अधिकारियों के लिए दो बैचों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

- राष्ट्रीय कौशल विकास पर चल रहे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना कार्यक्रम के अनुरूप एनआईबी ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग (झारखंड) के 14 एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए एनआईबी में 22 नवंबर से 3 दिसंबर, 2021 तक जैविक के गुणवत्ता नियंत्रण पर दो सप्ताह के आवासीय प्रायोगिक (हैंड्स–ऑन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

सैंतीसवाँ त्रिदिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण शिविर एवं सम्मेलन

संस्थान ने दिनांक 18–11–2021 से 20–11–2021 तक भारतीय भाषा एवं संस्कृति केंद्र द्वारा आयोजित सैंतीसवाँ त्रिदिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण शिविर एवं सम्मेलन, नैनीताल में सहभागिता ली, जिसमें संस्थान को राजभाषा कार्यान्वयन उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदत्त से सम्मान्नित किया गया

स्वच्छ भारत अभियान 2021

एनआईबी में वर्ष 2021 मे स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, दिनांक 01.10.2021 से 31.10.2021 की अवधि के दौरान, नियमित परंपरा के अलावा, संस्थान के सभी विभागों ने अपने परिसर की श्रेष्ठ साफ–सफाई सुनिश्चित की और अपने विभागों में मौजूद अवांछित सामान को हटाया ।

पुरस्कार

- भारतीय नेत्र अनुसंधान समूह (IERG या ARVO, भारत अध्याय) की 7–10 अक्टूबर, 2021 को आयोजित 27 वीं वार्षिक बैठक में शंकर एस, शाह एस.जी., यादव एस, और चुग ए (2021) को कॉर्नियल रोगों और विकारों के प्रबंधन के लिए नोवेल कॉर्नियल टारगेटिंग सेल पेनिट्रेटिंग पेप्टाइड को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए प्राप्त पुरस्कार ।

सेवानिवृत्ति

डॉ. जे.पी. प्रसाद, उप निदेशक (गु.नि.) वर्ष 1995 से 31 दिसंबर, 2021 तक 26 साल की सेवा प्रदान करने के बाद अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए। एनआईबी, संस्थान के लिए उनकी अथक सेवा और वैज्ञानिक योगदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा। एनआईबी उनके सुखी और स्वस्थ जीवन की कामना करता है।

Designed & Printed by : www.censer.in (Ph) 9810213218

अभिस्वीकृति / आभार

समाचार पत्रक, संपादकीय टीम एनआईबी के सभी स्टाफ सदस्यों का उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान
ए–32, सैक्टर–62, नोएडा–201309, उत्तर प्रदेश
एनआईबी वेबसाइट: http://nib.gov.in, ईमेल: info@nib.gov.in
दूरभाष: 0120-2400072, 2400022, फ़ैक्स: 0120-2403014

आज़ादी का अमृत महोत्सव

इस समाचार पत्रक से संबंधित किसी सूचना / सुझाव / पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें। डॉ मंजुला किरण, सह–संपादक, ईमेल: mkiran@nib.gov.in कृपया संस्करण की बेहतरी के लिए निःसंकोच होकर अपने बहुमूल्य विचार और प्रतिक्रिया से अवगत कराएं। हम आपके विचार जानने के लिए तत्पर हैं!!!